CBSE Class 9 Social Science Important Questions Economics Chapter 3 निर्धनता : एक चुनौती

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
निर्धनता का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
निर्धनता का तात्पर्य उस स्थिति से है जब लोग अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर सकते हैं।

प्रश्न 2.
भारत में उपभोग के आधार पर निर्धनता का मापदण्ड क्या रखा गया है?
उत्तर:
भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में जिनका उपभोग प्रतिदिन 2400 कैलोरी एवं शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन 2100 कैलोरी से कम है वे निर्धनता रेखा से नीचे माने जाएंगे।

प्रश्न 3.
भारत में निर्धनता सम्बन्धी आँकड़ों का संकलन किस संगठन द्वारा किया जाता है?
उत्तर:
भारत में निर्धनता सम्बन्धी आँकड़ों का संकलन राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (NSSO) द्वारा किया जाता है।

प्रश्न 4.
अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने निर्धनता रेखा का मापदण्ड क्या रखा है?
उत्तर:
अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने निर्धनता रेखा का मापदण्ड 1.9 डॉलर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के समतुल्य न्यूनतम उपलब्धता का रखा है।

प्रश्न 5.
भारत में वर्ष 2011-12 में निर्धनता अनुपात क्या था?
उत्तर:
भारत में वर्ष 2011-12 में निर्धनता अनुपात 22 प्रतिशत था।

प्रश्न 6.
भारत में कौनसे सामाजिक समूह निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं?
उत्तर:
भारत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं।

प्रश्न 7.
भारत में कौनसे आर्थिक वर्ग निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं?
उत्तर:
भारत में ग्रामीण कृषि श्रमिक तथा नगरीय अनियत मजदूर परिवार निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित हैं।

प्रश्न 8.
भारत में सर्वाधिक निर्धनता अनुपात वाले दो राज्यों के नाम लिखिए।
उत्तर:
भारत में सर्वाधिक निर्धनता अनुपात वाले दो राज्य बिहार एवं ओडिशा हैं।

प्रश्न 9.
भारत में निर्धनता के कोई दो प्रमुख कारण लिखिए।
उत्तर:

- भारत में बेरोजगारी निर्धनता का मुख्य कारण है।
- भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या भी निर्धनता . हेतु जिम्मेदार है।

प्रश्न 10.
भारत में निर्धनता उन्मूलन हेतु सरकार द्वारा अपनाए गए कोई दो कार्यक्रमों के नाम लिखिए।
उत्तर:

- प्रधानमंत्री रोजगार योजना
- स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना।

प्रश्न 11.
भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में कैलोरी आवश्यकता का मापदण्ड शहरों की तुलना में
अधिक क्यों रखा गया हैं?
उत्तर:
भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अधिक शारीरिक परिश्रम करते हैं, अतः उन्हें अधिक कैलोरी उपभोग की आवश्यकता पड़ती है।

प्रश्न 12.
निर्धनता अनुपात से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
देश में निर्धन व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से अनुपात निर्धनता अनुपात कहलाता है।

प्रश्न 13.
भारत में निर्धनता दूर करने के लिए दो सुझाव दीजिए।
उत्तर:

- आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना चाहिए।
- जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण करना चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
प्रधानमंत्री रोजगार योजना कब आरम्भ की गई?
उत्तर:
प्रधानमंत्री रोजगार योजना वर्ष 1993 में प्रारम्भ की गई।

प्रश्न 15.
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना किस वर्ष प्रारंभ हुई?
उत्तर:
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना वर्ष 1999 में प्रारम्भ की गई।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
निर्धनता का लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
भारत में निर्धनता की समस्या बहुत जटिल समस्या है। निर्धनता के फलस्वरूप लोग अपनी मूलभूत आवश्यकताएँ भी नहीं जुय पाते हैं तथा उनका जीवन स्तर काफी निम्न होता है। इस अवस्था में माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा नहीं दिला पाते हैं। यदि परिवार का कोई सदस्य बीमार पड़ जाता है तो उसे चिकित्सा सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। स्वच्छ जल एवं सफाई का अभाव पाया जाता है तथा लोगों के पास कोई नियमित रोजगार नहीं होता है तथा निर्धनों के साथ सभी स्थानों पर दुर्व्यवहार होता है। अतः निर्धन लोगों का जीवन काफी कष्टपूर्ण एवं निम्न स्तर का होता है।

प्रश्न 2.
निर्धन लोग ऋणग्रस्त क्यों हो जाते हैं?
उत्तर:
निर्धन लोग सामाजिक व धार्मिक अनुष्ठानों में अधिक पैसा खर्च करते हैं तथा छोटे किसानों को कृषि आगतों के लिए धन की आवश्यकता होती है। ये लोग बचत नहीं कर पाते, इसलिए इनके लिए कर्ज ले लेते हैं और निर्धनता में बचतों के अभाव में भुगतान नहीं कर पाने के कारण ऋणग्रस्त हो जाते हैं।

प्रश्न 3.
सामाजिक अपवर्जन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
सामाजिक अपवर्जन निर्धनता का कारण एवं परिणाम दोनों है। सामाजिक अपवर्जन की अवधारणा के अनुसार निर्धनता को इस संदर्भ में देखा जाता है कि निर्धनों को बेहतर माहौल और अधिक अच्छे वातावरण में रहने वाले सम्पन्न लोगों की सामाजिक क्षमता से अपवर्जित रहकर केवल निकृष्ट वातावरण में दूसरे निर्धनों के साथ रहना पड़ता है। दूसरे शब्दों में, सामाजिक अपवर्जन एक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से व्यक्ति या समूह उन सुविधाओं, लाभों और अवसरों का उपभोग नहीं कर पाता है जिनका उपभोग उच्च वर्ग के लोग करते हैं। इस प्रकार सामाजिक अपवर्जन लोगों की आय में ही कमी नहीं करता, बल्कि उससे कहीं अधिक क्षति पहुँचाता है।

प्रश्न 4.
निर्धनता के संदर्भ में असुरक्षा से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:

निर्धनता के प्रति असुरक्षा से आशय कुछ विशेष समुदायों, जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ग्रामीण भूमिहीन श्रमिक, विधवा महिलाएँ, विकलांग व्यक्तियों आदि के भावी वर्षों में निर्धन होने या निर्धन बने रहने की अधिक संभावना से है। असुरक्षा का निर्धारण परिसम्पत्तियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों के रूप में जीविका खोजने के लिए विभिन्न समुदायों के पास उपलब्ध विकल्पों से होता है। समाज के कुछ वर्गों में उपर्युक्त मापदण्डों के आधार पर लम्बे समय तक निर्धन बने रहने की संभावना रही है, इसे ही निर्धनता के सम्बन्ध में असुरक्षा कहेंगे।

प्रश्न 5.
भारत में विगत वर्षों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात में आए परिवर्तनों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में विगत वर्षों में ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात में कमी आई है; किन्तु अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता का अनुपात ऊँचा है। इसे निम्न तालिका से स्पष्ट किया जा सकता है-
तालिका : भारत में निर्धनता के अनुमान (तेंदुलकर कार्यप्रणाली)

तालिका : भारत में निर्धनता के अनुमान (तेंदुलकर कार्यप्रणाली)

वर्ष	निर्धनता अनुपात (प्रतिशत)			निर्धनों की संख्या (मिलियन)		
	ग्रामीण	शहरी	योग	ग्रामीण	शहरी	संयुक्त योग
1993-94	50	32	45	329	75	404
2004-05	42	26	37	326	81	407
2009-10	34	21	30	278	76	355
2011-12	26	14	22	217	53	270

RBSESolutions.in

(स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18)

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि भारत में ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात व निर्धनों की संख्या दोनों में कमी आई है। देश में ग्रामीण क्षेत्रों में 1993-94 में निर्धनता अनुपात 50 प्रतिशत था वह कम होकर 2011-12 में 26 प्रतिशत रह गया। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में इसी अवधि में निर्धनता अनुपात 32 प्रतिशत से कम होकर 14 प्रतिशत रह गया है।

प्रश्न 6.
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
यह योजना वर्ष 1999 में प्रारंभ की गई थी। इस योजना में पूर्व में चल रही छ: योजनाओं यथा समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम, मिलियन वेल्स स्कीम, ट्राइसम, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम, उन्नत टूल किट योजना एवं गंगा कल्याण योजना को मिला दिया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को प्रोत्साहन करना तथा जिन ग्रामीणों को सहायता प्रदान की जा रही है उन्हें तीन वर्ष में गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
निर्धनता के सामान्य सूचक कौन-कौन से हैं?
उत्तर:
निर्धनता के सामान्य सूचक-निर्धनता के सामान्य सूचक हैं-आय और उपभोग का स्तर, निरक्षरता का प्रतिशत, कुपोषण के कारण रोग-प्रतिरोधक क्षमता में कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार के अवसरों की कमी, सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता तक पहुँच की कमी आदि।